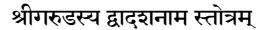
shrIgaruDasya dvAdashanAma stotram



Document Information

Text title : garuDadvAdashanAmastotram File name : garuDadvAdashanAmastotram.itx

Category : deities_misc, vishhnu, dvAdasha, vishnu

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Prakash Ketkar

Proofread by: Prakash Ketkar

Description/comments: Brihadtantrasara

Latest update: November 2, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 2, 2024

sanskritdocuments.org



shrIgaruDasya dvAdashanAma stotram

श्रीगरुडस्य द्वाद्शनाम स्तोत्रम्



सुपर्णं वैनतेयं च नागारि नागभीषणम् । जितान्तकं विषारि च अजितं विश्वरूपिणम् । गरुत्मन्तं खगश्रेष्ठं ताक्ष्यं कश्यपनन्दनम् ॥ १॥

द्वादशैतानि नामानि गरुडस्य महात्मनः । यः पठेतु प्रातरुत्थाय स्नाने वा शयनेऽपि वा ॥ २॥

विषं नाकामते तस्य न च हिंसन्ति हिंसकाः । सङ्ग्रामे व्यवहारे च विजयस्तस्य जायते । बन्धनान्मुक्तिमाप्नोति यात्रायां सिद्धिरेव च ॥ ३॥

॥ इति बृहद्तन्त्रसारे श्रीगरुडस्य द्वादशनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥
महात्मा गरुडजीके बारह नाम इसप्रकार हैं- १) सुपर्ण (सुंदर
पंखवाले) २) वैनतेय (विनताके पुत्र) ३) नागारि (नागोकें शतु
) ४) नागभीषण (नागोंकेलिये भयंकर) ५) जितान्तक (कालको भी
जीतनेवाले) ६) विषारि (विषके शतु) ७) अजित (अपराजेय) ८)
विश्वरूपी (सर्वस्वरूप) ९) गरुत्मान् (अतिशय पराक्रमसम्पन्न)
१०) खगश्रेष्ठ (पक्षियोंमे सर्वश्रेष्ठ) ११) तार्क्ष (गरुड)
१२) कश्यपनन्दन (महर्षि कश्यपके पुत्र) इन बारह नामोंका जो
नित्य प्रातःकाल उठकर स्नानके समय या सोते समय पाठ करता है,
उसपर किसी भी प्रकारके विषका प्रभाव नहीं पड़ता, उसे कोई हिंसक
प्राणी मार नहीं सकता, युद्धमें तथा व्यवहारमें उसे विजय प्राप्त
होती है, वह बन्धनसे मुक्ति प्राप्त कर लेता है और उसे यात्रामे
सिद्धि मिलती है।

कल्याण वर्ष ८४ संख्या ६ जून २०१०

Shri Garudasya Dwadashanam Stotram is in Sanskrit. It is from

श्रीगरुडस्य द्वाद्शनाम स्तोत्रम्

Bruhat-Tantrasar. If anybody reads/listen or recite this stotra at the time of bath or while going to sleep; he never has a fear from poison, poisonous animals, creatures and he also becomes free if he is in sombody's custody. Garud has a very special importance for us. Garuda is a vehicle of God Vishnu. Garuda asked so many questions to God Vishnu regarding life of a the person after death and hence we came to know about our pitrues and pitru lok. It results in Garud Purana coming into existence.

→○**○**○○

shrIgaruDasya dvAdashanAma stotram pdf was typeset on February 2, 2024

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

>>0∕∕∕>0<